Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 28-11-2006

Participants : Singh Kunwar Rewati Raman

an>

Title: Reported shortage of DAP Fertilizers in Uttar Pradesh.

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, आज जितनी भी चर्चा हो रही है, उसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह चर्चा है जो पूरे देश के किसानों से जुड़ी हुई है। हमारे कृाि मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं और आप भी एक किसान हैं। हम सब अच्छी खेती करते हैं। आजादी के बाद, ग्रीन रिवोल्यूशन के बाद किसानों ने यहां अन्न का भंडार भर दिया लेकिन गलत नीतियों के कारण पहली बार भारत को पचास लाख टन गेहूं बाहर से मंगाना पड़ा। यदि यही स्थिति बनी रही तो जहां पूरे देश में गेहूं की बुबाई चल रही है लेकिन डीएपी खाद गायब है। डीएपी खाद न मिलने की वजह से गेहूं का उत्पादन प्रभावित होगा। उसका कारण है कि भारत सरकार ने डीएपी में जो सब्सिडी देनी थी, उसका प्राइस फिक्स कर दिया गया है। दुनिया में जो इनपुट डीएपी में लगता है, उसके दाम 300, 400 डॉलर बढ़ गये हैं, डीएपी का दाम बहुत बढ़ गया है। हम बाहर से इम्पोर्ट भी नहीं कर पा रहे हैं और यहां दाम बहुत बढ़ गया है तथा देश में डीएपी का उत्पादन कम हो गया है। कृाि मंत्री जी यहां पर बैठे हैं। मैं चाहूंगा कि वह आश्वासन दें कि डीएपी पर दी जाने वाली

सब्सिडी को बहाल करेंगे तथा जो इन्होंने अमरीका और वर्ल्ड बैंक के दबाव में उसका प्राइस फिक्स कर दिया है, इसे वह ठीक करें।

उपाध्यक्ष महोदय: यह जरूरी नहीं है कि मैं उनको कहूं कि वह अभी स्टेटमेंट दें। यह उनकी मर्जी है कि वह अभी स्टेटमेंट दें या न दें।

...(व्यवधान)

श्री रेवती रमन सिंह : उपाध्यक्ष जी, यह बात मैं सदन के माध्यम से सरकार के नोटिस में लेकर आया हूं।अगर सरकार जल्दी नहीं करेगी तो उससे गेहूं का उत्पादन प्रभावित होगा।